

नवीन प्रार्थना पत्र  
के स्वतंत्रता के  
आव प्रार्थना पत्र-  
को विद्वा किया जस  
है।

कार्य में व्यस्त है। पत्राचार  
दिनांक... 30/6/24... को पेश हो।

30/6/24

नवीन  
प्रार्थना

पत्रावली पेशा इसी वकील आर्षी उपरिष्ठत हो। आर्षीयां स्वयं  
उपरिष्ठत है वकील आर्षी तथा आर्षीयां द्वारा पत्रावली में  
उपरिष्ठत होकर नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने के आधिष्ठार  
सुरक्षित रखते हुये, प्रार्थना पत्र द्वारा 25/11/24  
विद्वा करना चाहते हैं। इस खाता वकील आर्षी तथा  
आर्षी स्वयं द्वारा पत्रावली आदेशिका पर लिपिणी  
दर्ज की गई। वकील आर्षी तथा आर्षीयां स्वयं की  
सुना गया। नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने के आधिष्ठार  
सुरक्षित रखते हुये प्रार्थना पत्र विद्वा किया गया।  
अतः पत्रावली पर आगे कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं रहे  
जाती है। अतः वकील आर्षीयां द्वारा नवीन प्रार्थना  
पत्र पेश करने के आधिष्ठार सुरक्षित रखते हुये, पत्रावली  
पर कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है।  
पत्रावली फैसल नुमाय है। नम्बर से इस होकर लखिल  
दफ्तर है।

उपखण्ड आंधेकारी  
मिनाय (केकड़ी)